मध्यकालीन युग में सागर जिले में जैन धर्म

डॉ. शिवकुमार पालेचे

Scanned with OKEN Scanner

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंशदान से प्रकाशित
(डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की पी.एच.डी. की उपाधि हेतु स्वीकृत शोध प्रबंध)

© डॉ. शिवकुमार पारोचे

प्रथम संस्करण 2001

प्रकाशक/मुद्रक : आर.के.ऑफसेट, भूतेश्वर मंदिर रोड, सागर - 20194

मूल्य - 225 रूपए मात्र

मध्यकालीन युग में सागर जिले में जैन धर्म द्वारा डॉ.शिवकुमार पारोचे
MADHYA KALEEN YOUG MEIN SAGAR JILE MEIN JAIN DHARMA - DR. SHIVKUMAR PAROCHE

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
प्राक्कथन		
अध्याय - प्रथम	सागर जिले में जैन धर्म का इतिहास	1-52
अध्याय - द्वितीय	जैन वास्तुकला	53 - 75
अध्याय - तृतीय	जैन मूर्तिकला	76 - 102
अध्याय - चतुर्थ	प्रतिमा शास्त्रीय विशेषताएँ	103-137
अध्याय - पंचम	प्रतीकों का विवेचन	138 - 160
अध्याय - षष्ठ	भारतीय संस्कृति में जैन धर्म व कला का योगदान	161 - 168
अध्याय -सप्तम	उपसंहार	169 - 172
संदर्भ ग्रन्थ सूची		173 - 183
चित्र सूची		184 - 191

Scanned with OKEN Scanner

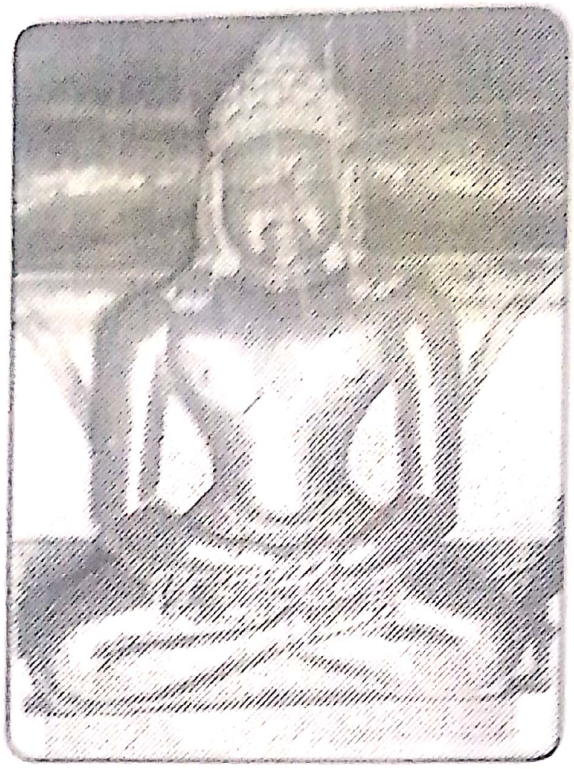

चित्र क्रमांक - 31

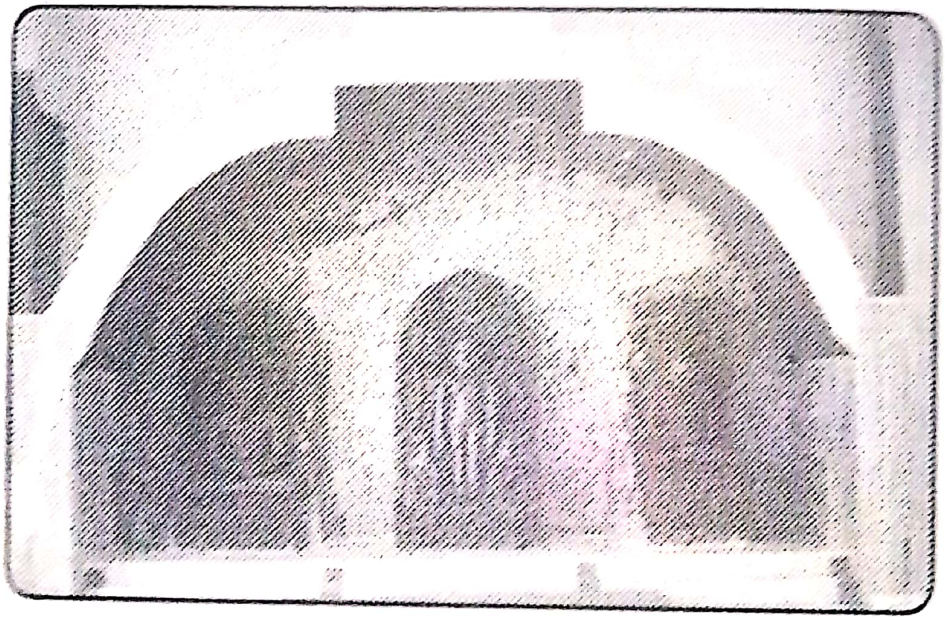

अ ब स

चित्र क्रमांक - 32

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner